



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 1 मई, 1987/11 वैशाख, 1909

हिमाचल प्रदेश सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग

(ख-अनुभाग)

अधिसूचना

शिमला-171002, 30 अप्रैल, 1987

संख्या जी० ए० बी० 6 फ(4)-100/85.—इस विभाग की समसंख्यांक अधिसूचना दिनांक 12 मार्च, 1987 के प्रसंग को जारी रखते हुए और भू-अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 17(1) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह निदेश देते हैं कि मामला अति आवश्यक होने के कारण भू-अर्जन समाहर्ता, शिमला (उप-मण्डल अधिकारी, सिविल शहरी) उक्त अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन नोटिस के प्रकाशन से 15 दिनों की अवधि समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व भूमि का कब्जा ले सकता है क्योंकि इस मामले में भूमि केन्द्रीय दूर संचार विभाग को तुरन्त बांछित है।

आदेश द्वारा,  
हस्ताक्षरित/-  
सचिव।

[Authoritative English text of Himachal Pradesh Government Adhisuchna No. GAB-6F(4)-100/85,  
Dated 30-4-1987 as required under Article 348 (3) of the Constitution of India]

**GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT****(B-Section)****NOTIFICATION***Shimla-171 002, the 30th April, 1987*

No. GAB-6 F(4)-100/85.—In continuation of this Department Notification of even No., dated the 12th March, 1987, and in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of Section 17 of the Land Acquisition Act, 1894, the Governor, Himachal Pradesh is pleased to direct that, matter being urgent, the Land Acquisition Collector (S. D. M. Urban), Shimla, may on the expiry of 15 days from the publication of the notice under section 9 (1) of the said Act, take the possession of the land before the award is made as the Land in question is urgently needed by the Telecommunication Department of the Central Government.

, By order,  
Sd/-  
Secretary.